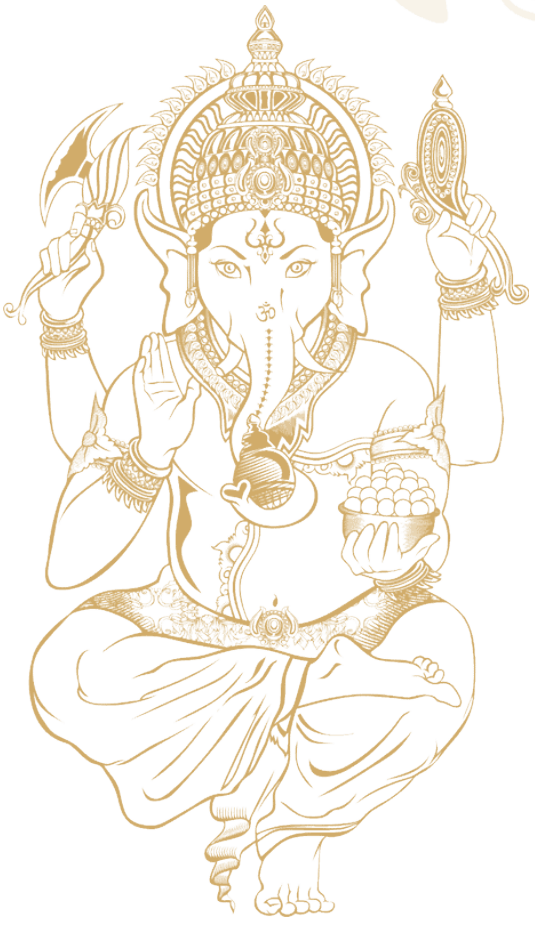

Ashish Anjali

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121505401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121505401 Date: 07/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28-29/07/1993	जन्म तिथि	13/01/2003
बुध-गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 01:50:00	जन्म समय	21:35:00 घंटे
घटी 50:20:54	जन्म समय(घटी)	35:03:35 घटी
India	देश	India
Jammu	स्थान	Jammu
32:42:00 उत्तर	अक्षांश	32:42:00 उत्तर
74:52:00 पूर्व	रेखांश	74:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:32	स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:41:38	सूर्योदय	07:33:34
19:31:09	सूर्यास्त	17:44:51
23:46:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:43

वृष	लग्न	सिंह
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
वृश्चिक	राशि	वृष
मंगल	राशि-स्वामी	शुक्र
अनुराधा	नक्षत्र	कृतिका
शनि	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
4	चरण	2
ब्रह्म	योग	शुभ
वणिज	करण	वणिज
ने-नैनसुख	जन्म नामाक्षर	इ-ईशा
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	वैश्य
कीटक	वश्य	चतुष्पाद
मृग	योनि	मेष
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	गरूड़

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 0वर्ष 4मा 30दि		19:20:43	वृष	लग्न	सिंह	18:06:14	सूर्य 3वर्ष 1मा 15दि	
शुक्र		11:58:48	कर्क	सूर्य	धनु	29:09:25	राहु	
27/12/2017		16:22:30	वृश्चि	चंद्र	वृष	03:03:23	28/02/2023	
27/12/2037		27:23:56	सिंह	मंगल	वृश्चि	03:50:27	27/02/2041	
शुक्र	28/04/2021	24:48:58	मिथु	बुध व	धनु	24:52:01	राहु	10/11/2025
सूर्य	28/04/2022	15:31:13	कन्या	गुरु व	कर्क	21:42:41	गुरु	05/04/2028
चन्द्र	28/12/2023	01:33:30	मिथु	शुक्र	वृश्चि	12:18:58	शनि	10/02/2031
मंगल	26/02/2025	04:47:00	कुंभ व	शनि व	वृष	29:38:02	बुध	29/08/2033
राहु	27/02/2028	17:06:43	वृश्चि	राहु	वृष	13:58:56	केतु	17/09/2034
गुरु	28/10/2030	17:06:43	वृष	केतु	वृश्चि	13:58:56	शुक्र	16/09/2037
शनि	27/12/2033	25:47:35	धनु व	हर्ष	कुंभ	02:57:58	सूर्य	11/08/2038
बुध	27/10/2036	25:32:57	धनु व	नेप	मक	16:07:04	चन्द्र	10/02/2040
केतु	27/12/2037	28:57:20	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	24:49:23	मंगल	27/02/2041

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:20 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:43

लग्न-चलित

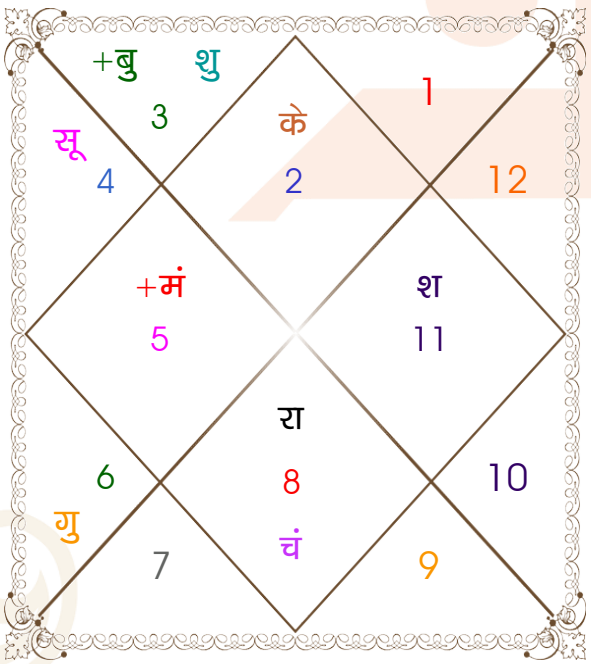

लग्न-चलित

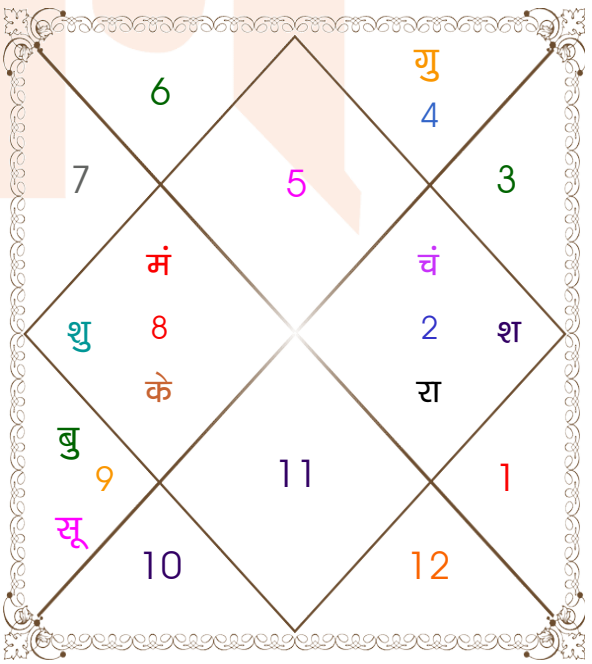

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

कुल : **25.5 / 36**

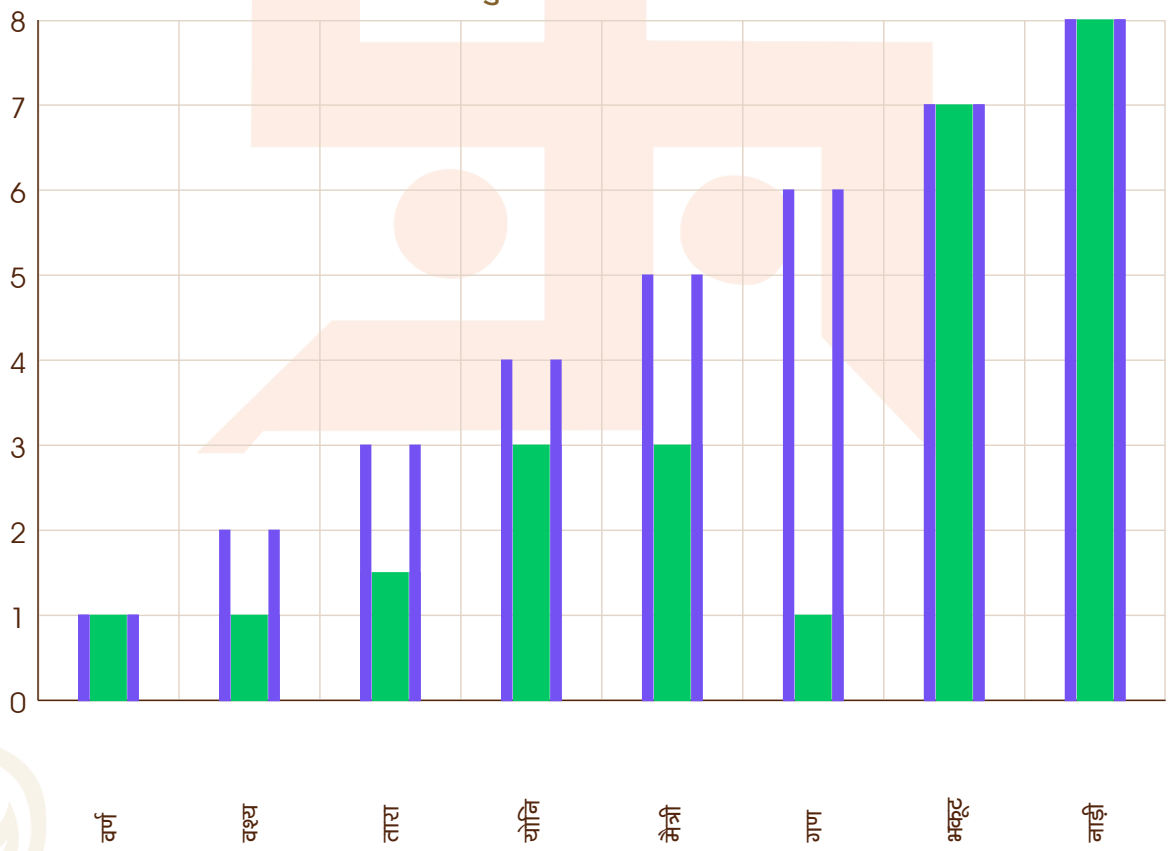

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट मिलान

Ashish का वर्ग सर्प है तथा ।दरंसप का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ashish और ।दरंसप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ashish मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

।दरंसप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।दरंसप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ए;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल ।दरंसप कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ashish तथा ।दरंसप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Ashish का वर्ण ब्राह्मण तथा ।दरंसप का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। ।दरंसप सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। ।दरंसप मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

Ashish का वश्य कीट है एवं ।दरंसप का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। चतुष्पद एवं कीट दो भिन्न प्राणी हैं। किंतु दोनों का प्रकृति में सह-अस्तित्व है। दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग होते हुए भी दोनों एक-दूसरे के लिए घातक नहीं होंगे। इसी प्रकार, Ashish चतुष्पद अर्थात् पशु एवं ।दरंसप कीट वश्य की होने के कारण दोनों के स्वभाव, व्यवहार, गुण, पसंद/नापसंद में अंतर होते हुए भी दोनों के बीच वैवाहिक संबंध सामान्य ही रहने की प्रबल संभावना है। दोनों का स्वभाव गंभीर एवं संकोची रहेगा तथा दोनों सौहार्दता एवं प्रेम से अपना जीवन यापन करते रहेंगे ।साथ ही अपने-अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Ashish की तारा साधक तथा ।दरंसप की तारा प्रत्यरि है। ।दरंसप की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Ashish एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। ।दरंसप का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही ।दरंसप के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Ashish अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Ashish की योनि मृग है तथा ।दरंसप की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे

के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Ashish एवं ।दरंसप दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Ashish का गण देव तथा ।दरंसप का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में ।दरंसप निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। ।दरंसप की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Ashish एवं ।दरंसप की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Ashish व ।दरंसप को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Ashish की नाड़ी मध्य है तथा ।दरंसप की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Ashish एवं ।दरंसप के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Ashish की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा ।दरंसप की पृथ्वी तत्व युक्त वृष राशि है। जल एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक समता होने के कारण Ashish और ।दरंसप में स्वभावगत समानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में प्रगाढ़ता होगी तथा वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः मिलान अच्छा रहेगा।

Ashish की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा ।दरंसप की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर समराशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से Ashish और ।दरंसप के आपसी संबंध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रहेगा। वे सुख दुख में एक दूसरे को अपनी ओर से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता बनी रहेगी तथा पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि में भी वृद्धि होगी।

Ashish तथा ।दरंसप की राशियां परस्पर सप्तम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Ashish और ।दरंसप का दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा तथा परस्पर सम्मान पूर्वक समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व को पूर्ण स्वीकार करते हुए सुख दुख में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। अतः Ashish और ।दरंसप का वैवाहिक जीवन उत्तम रहेगा।

Ashish का वश्य कीट एवं ।दरंसप का वश्य चतुष्पद है। कीट एवं चतुष्पद में समानता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

Ashish का वर्ण ब्राह्मण तथा ।दरंसप का वर्ण वैश्य है। अतः Ashish क्षीणक शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्य कलापों में रूचि रखेंगे जबकि ।दरंसप धनार्जन संबधी कार्यो में तत्पर रहेंगी। इससे कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता रहेगी तथा आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी।

धन

Ashish और ।दरंसप दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Ashish की नाड़ी मध्य तथा ।दरंसप की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से मुक्त रहेंगे अतः गंभीर शारीरिक कष्ट से सुरक्षित रहेंगे लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव नहीं रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही संभोग किया में भी दोनों शिथिलता तथा उदासीनता प्रदर्शन का करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में अल्पता की अनुभूति होगी। इसके अतिरिक्त ।दरंसप के गर्भपात की भी संभावना रहेगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता करने के लिए Ashish और ।दरंसप दोनों को हनुमान की उपासना, मंगलवार के उपवास तथा मूंगा आदि धारण करना चाहिए। इससे अशुभ प्रभावों में न्यूनता तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Ashish और ।दरंसप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Ashish और ।दरंसप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ।दरंसप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ।दरंसप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ।दरंसप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Ashish और ।दरंसप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Ashish और ।दरंसप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

।दरंसप के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही ।दरंसप सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में ।दरंसप को काफी परेशानी तथा

असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि ।दरंसप धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से ।दरंसप के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही ।दरंसप ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Ashish के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Ashish अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Ashish के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Ashish के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।